ज़रा सिर खुजलाइए

ईंधन की गोलियों में गड़बड़

सभी चित्रः आमोद कारखानिस

भागः 2

पृष्ठ क्रमांक 31 से आगे

शरलॉक का हल बहुत ही आसान था, "सबसे पहले सब डिब्बियों पर 1 से लेकर 6 तक अंक लिख लें। उसके बाद हम पहली डिब्बी में से 1 गोली लें, दूसरी डिब्बी में से 2 गोली लें, तीसरी में से 3 ..... और छठवीं में से 6 गोली निकाल लें। फिर इन 21 गोलियों को स्प्रिंगतुला पर तोल लें। कुल वज़न 21 ग्राम से जितने मिलीग्राम ज़्यादा होगा, उसी अंक वाली डिब्बी में गड़बड़ होगी।"

"कितना आसान है यह तरीका।" वॉटसन ने मंत्रमुग्ध होकर कहा, "अगर कुल वज़न 2 मिलीग्राम ज़्यादा है तो दूसरी डिब्बी नष्ट कर दो, और अगर 6 मिलीग्राम ज़्यादा है तो छठवीं डिब्बी।"

एक महीने बाद, अगली खेप के तुरन्त बाद एक और संदेश आया, "इस बार 6 डिब्बियों में से कितनी भी डिब्बियां गड़बड़ हो सकती हैं। परन्तु त्रुटि वही है, गड़बड़ डिब्बियों की सब गोलियों का वज़न 1 मिलीग्राम ज़्यादा है। त्रुटिपूर्ण डिब्बियों को पहचानकर सब गड़बड़ गोलियां नष्ट कर दो।"

वॉटसन ने कहा, "इस बार तो हमें हरेक डिब्बी में से 1-1 गोली लेकर उन्हें अलग-अलग तोलना ही होगा।"

शरलॉक के माथे की भृकुटियां तन गईं, पृथ्वी की ओर ताकते हुए उसने कहा, "रोचक समस्या है यह, वॉटसन। परन्तु इस बार भी हम केवल एक बार तोलकर इस समस्या का हल ढूंढ लेंगे।"

– क्या तरीका अपनाया होगा, शरलॉक ने इस बार?

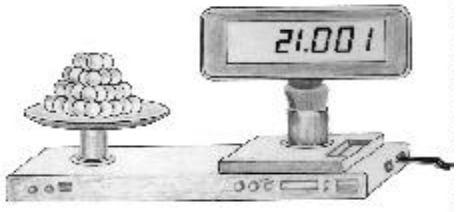

भागः 3 देखिए पृष्ठ क्रमांक 58 पर।

अगर आपने शुरुआती भाग नहीं पढ़ा है तो देखिए पृष्ठ क्रमांक 31